ST. FRANCIS DE SALES COLLEGE
A FRANSALIAN INSTITUTE OF HIGHER EDUCATION AUTONOMOUS
NAAC A GRADE • AFFILIATED TO BANGALORE UNIVERSITY • AICTE APPROVED • 2(F) & 12 (B) RECOGNITION OF UGC • ISO 9001:2015 CERTIFIED
Electronics City P.O., Bengaluru - 560 100, Karnataka, INDIA (+91) 8088140679 pro@sfscollege.in www.sfscollege.in

END SEMESTER EXAMINATION- APRIL/MAY 2026

HINDI – II SEMESTER BSC (F+R)

24BSC21H- KAVYA DEEPTI, VAIGYANIKON KA PARICHAY AUR SANKSHEPAN

Time: 3 Hours **Max. Marks: 80**

I. निम्नलिखित के उतर एक शब्द या वाक्य में दीजिये । 10x1=10

1. कवि ने किसका मनका फेरने की बात की है?
2. कृष्ण ने किसे ब्रज के गाँव में नहीं देखा?
3. किसकी सहायता से तिथि का पता लग सकता है?
4. 'सखी वे मुझसे कहकर जाते' कविता किसके जीवन से सम्बंधित है?
5. प्रियतम कविता के कवि का नाम लिखो|
6. किसने अपनी दिव्य शक्ति का प्रदर्शन किया?
7. कौन रात भर दूर रहने का दर्द सहन करते हैं?
8. रामदास को किसकी धमकी मिली थी ?
9. हत्यारा कहाँ से निकला ?
10. कौन भगवान् बुद्ध की पूजा करने आई है?

II. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए । 2x7=14

1. ऐसी वाणी बोलिए मन का आपा खोए ।
   औरन को शीतल करे आपहुं शीतल होय।।
2. दुर्योधन वह भी दे ना सका,
   आशीष समाज की ले न सका,
   उलटे, हरि को बाँधने चला,
   जो था असाध्य, साधने चला।
   जब नाश मनुज पर छाता है,
   पहले विवेक मर जाता है।

3. चौड़ी सड़क गली पतली थी
दिन का समय घनी बदली थी
रामदास उस दिन उदास था
अंत समय आ गया पास था
उसे बता यह दिया गया था उसकी हत्या होगी|

III. किन्हीं दो कविताओं का सारांश लिखकर उसकी विशेषता लिखिए । **2x15=30**

1. 'सखी वे मुझसे कहकर जाते'
2. 'बादल को घिरते देखा है'
3. 'स्त्रियाँ'

IV. किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए । **1x6=6**

1. रामदास
2. राधा - कृष्ण संवाद

V. किसी एक का वैज्ञानिक का परिचय लिखिए । **10x1=10**

1. सर चंद्रशेखर वेंकट रमण
2. आइजेक न्यूटन

VI. दिए गए गद्यांश का शीर्षक देते हुए एक तिहाई भाग में संक्षेपण कीजिए । **10x1=10**

स्वराज्य एक अति व्यापक अवधारणा है। इसका आदर्श रामराज्य तथा लक्ष्य सर्वोदय है। सत्य तथा अहिंसा इसकी प्राप्ति के साधन हैं तथा धर्म व नैतिकता इसकी बुनियाद हैं। स्वराज्य की यह अवधारणा राज्य की पराधीनता से मुक्ति पाने से भले ही आरम्भ हो, किन्तु इसको साध्य आत्मा की स्वतन्त्रता को प्राप्त करता है। इसकी प्राप्ति के पश्चात् सर्वत्र शान्ति होगी। प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग होगा।

****

ST. FRANCIS DE SALES COLLEGE
EXCELLENCE • EFFICIENCY • TRANSFORMATION
ELECTRONICS CITY, BENGALURU